भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †213
सोमवार, 04 दिसम्बर, 2023/13 अग्रहायण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत तमिलनाडु में पर्यटन परियोजनाओं की स्थिति

†213. सुश्री एस. जोतिमणि:
क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत 2016-17 के दौरान तमिलनाडु हेतु चिह्नित की गई परियोजनाओं की स्थिति क्या है;
(ख) क्या परियोजनाओं हेतु स्वीकृत की गई और जारी की गई राशि के बीच में कोई अंतर था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या मंत्रालय ने उक्त योजना के अंतर्गत तमिलनाडु सरकार द्वारा भेजे गए किसी प्रस्ताव को वापस कर दिया है और यदि हां, तो प्रस्ताव को वापस करने के क्या कारण हैं;
(घ) स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत कितनी परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं और राज्य को परियोजनाओं हेतु जारी की गई निधियों का ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या विकास परियोजनाओं का कोई प्रभाव देखा गया है; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
पर्यटन मंत्री **(श्री जी. किशन रेड्डी)**

(क) से (च): पर्यटन मंत्रालय (एमओटी) ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) के तहत वर्ष 2016-17 में 73.13 करोड़ रुपये की राशि से 'चेन्नई-मामल्लापुरम-रामेश्वरम-कुलशेखरनपट्टिनम-कन्याकुमारी का विकास' नामक एक परियोजना को स्वीकृति दी थी और कुल 71.03 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है, जोकि उक्त परियोजना में राज्य सरकार द्वारा संसूचित अंतिम व्यय के अनुरूप है।

2018-19 के बाद, पर्यटन मंत्रालय ने इस योजना की व्यापक समीक्षा की और राज्य सरकारों द्वारा प्रस्तुत सभी प्रस्तावों को लौटाया हुआ मान लिया था। अब मंत्रालय ने सतत और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से इस योजना को 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)' के रूप में परिवर्तित कर दिया है। एसडी 2.0 योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार, राज्य सरकारें/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन मुख्य पर्यटन आकर्षणों, पेशकशों, कनेक्टिविटी, वर्तमान पर्यटन ईकोसिस्टम, राज्य सहायता आदि जैसी विशेषताओं के आधार पर विभिन्न गंतव्यों की पर्यटन संभावना का विश्लेषण करते हुए एक राज्य परिप्रेक्ष्य योजना (एसपीपी) तैयार करते हैं। तदनुसार, पर्यटन मंत्रालय संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से विकास के लिए गंतव्यों का चयन करता है। पर्यटन मंत्रालय ने इस योजना के तहत विकास के लिए तमिलनाडु सहित देश में 55 गंतव्यों को अधिसूचित किया है, जिनकी सूची **अनुबंध** में दी गई है।

जुलाई 2019 में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) द्वारा योजना का एक तृतीय पक्ष प्रभाव मूल्यांकन किया गया था, जिसमें कहा गया है कि 'स्वदेश दर्शन' योजना आजीविका के अवसरों को बढ़ाने और निर्माण के चरण में स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार सृजन करने में सक्षम रही है।

*****

अनुबंध

सुश्री एस. जोतिमणि द्वारा स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत तमिलनाडु में पर्यटन परियोजनाओं की स्थिति के संबंध में दिनांक 04.12.2023 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †213 के भाग (क) से (च) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत अधिसूचित स्थलों की सूची

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**चयनित/पहचाने गए गंतव्य**
1.	आंध्र प्रदेश	गंडिकोटा, अरक्कू-लम्बसिंगी
2.	अरुणाचल प्रदेश	नाचो, मेचुका
3.	असम	जोरहाट, कोकराझार
4.	बिहार	गया, नालंदा
5.	छत्तीसगढ़	बिलासपुर, जगदलपुर
6.	गोवा	पोरवोरिम, कोलवा
7.	गुजरात	धोलावीरा, द्वारका
8.	हरियाणा	पंचकूला (मोरनी)
9.	हिमाचल प्रदेश	पोंग बांध
10.	जम्मू और कश्मीर	बशोली
11.	झारखंड	चांडिल
12.	कर्नाटक	हम्पी, मैसूरु
13.	केरल	कुमारकोम, कोझीकोड (बेपोर)
14.	मध्य प्रदेश	ग्वालियर, चित्रकूट
15.	महाराष्ट्र	सिंधुदुर्ग
16.	मणिपुर	मोइरांग (बिष्णुपुर)
17.	मेघालय	शिलांग, सोहरा
18.	मिजोरम	आइजोल, चंफाई
19.	नागालैंड	नियूलैंड, चुमुकेदिमा
20.	ओडिशा	कोरापुट
21.	पंजाब	अमृतसर, कपूरथला
22.	राजस्थान	बूंदी (केशोरायपाटन), जोधपुर
23.	सिक्किम	गंगटोक, ग्यालशिंग
24.	तमिलनाडु	मामल्लापुरम, नीलगिरी
25.	तेलंगाना	भोंगीर, अनंतगिरि
26.	त्रिपुरा	अगरतला, उनाकोटी
27.	उत्तर प्रदेश	प्रयागराज, नैमिषारण्य
28.	उत्तराखंड	पिथौरागढ़, चंपावत
29.	चंडीगढ़	चंडीगढ़
30.	लक्षद्वीप	लक्षद्वीप
31.	पुद्दुचेरी	पुद्दुचेरी, करियाकल

32.	लद्दाख	लेह, कारगिल
	कुल	**55**

*****